



परिश्रम के द्वारा मजिल तब प्राप्त होती है, जब अपना ध्यान मजबूत होता है।

Hand work begets us the destination only when we have determined meditation.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

● अंक : 94 ● वर्ष : 14 ● रायपुर, मंगलवार 13 अक्टूबर 2026 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रुपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

जंतर-मंतर पर धरना प्रदर्शन बंद

■ दिल्ली में प्रदर्शन के लिए अब ये 3 जगहें तय

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जारी आंदोलन के बीच प्रदर्शन स्थलों को लेकर बड़ा बदलाव किया गया है। दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर को निर्धारित प्रदर्शन स्थलों की सूची से हटा दिया है। अब राजधानी में रामलीला मैदान, बुराड़ी ग्राउंड और पूर्वी दिल्ली के सीबीडी ग्राउंड में धरना-प्रदर्शन आयोजित किए जा सकेंगे। दिल्ली पुलिस कमिश्नर अनुराग कुमार की ओर से जारी स्टैंडिंग ऑर्डर के मुताबिक, प्रदर्शन के लिए निर्धारित स्थलों में बदलाव किया गया है। यह फैसला केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से गठित



समिति की सिफारिशों के आधार पर लिया गया है। समिति को नागरिकों के विरोध-प्रदर्शन के अधिकार को ध्यान में रखते हुए मौजूदा स्थलों के विकल्प तलाशने की जिम्मेदारी दी गई थी। पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने भी प्रदर्शन आयोजित करने के लिए

सीबीडी ग्राउंड प्रदर्शन के लिए निर्धारित स्थान होंगे। इन जगहों पर धरना या विरोध-प्रदर्शन आयोजित करने की अनुमति और उससे जुड़ी शर्तों की जानकारी अलग से जारी होने वाली मानक संचालन प्रक्रिया में दी जाएगी। रामलीला मैदान राजधानी के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों में शामिल है। वहीं, बुराड़ी ग्राउंड और सीबीडी ग्राउंड को भी प्रदर्शन के वैकल्पिक स्थानों के रूप में शामिल किया गया है। इस बदलाव के बाद जंतर-मंतर अब निर्धारित प्रदर्शन स्थल की सूची में शामिल नहीं रहेगा। हालांकि, नए स्थलों पर प्रदर्शन आयोजित करने की प्रक्रिया, अनुमति और अन्य व्यवस्थाओं से जुड़े विस्तृत दिशा-निर्देश अलग से स्पष्ट किए जाएंगे।

सहायक शिक्षक भर्ती में आरक्षित वर्ग को पांच प्रतिशत छूट देने पर हाई कोर्ट का अहम आदेश



बिलासपुर। सहायक शिक्षक भर्ती में आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को न्यूनतम शैक्षणिक अंकों में पांच प्रतिशत छूट देने के प्रविधान पर छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। न्यायमूर्ति बिभु दत्त गुरु ने कहा कि भर्ती एजेंसी को हाई कोर्ट के पूर्व फैसले और राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद की 29 जुलाई 2011 की अधिसूचना का सख्ती से पालन करना होगा। हालांकि, कोर्ट ने कहा कि फिलहाल याचिकाकर्ता के साथ कोई अन्याय होने की स्थिति सामने नहीं आई है, इसलिए याचिका समय से पहले दायर की गई है। बिलासपुर जिले के मन्तूरी तहसील निवासी पुष्पा देवी ने 28 जुलाई 2026 को जारी सहायक शिक्षक भर्ती के विज्ञापन को चुनौती दी थी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने किया प्रदेश के वाराणसी से वडनगर गए भाजयुमो कार्यकर्ताओं का सम्मान



रायपुर (विश्व परिवार)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा, सुशासन और समर्पण के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित सेवा पर्व के तहत छत्तीसगढ़ से वाराणसी और वडनगर गए भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं का आज मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने मुख्यमंत्री निवास में सम्मान किया।

लेकर जनता से संपर्क किया। इस अवसर पर उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

प्रधानमंत्री जी के सेवा कार्यों को जन-जन तक पहुंचाना है : कर्मवीर सिंह

भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री श्री कर्मवीर सिंह ने छत्तीसगढ़ से वाराणसी से वडनगर गए भाजयुमो कार्यकर्ताओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के सेवा, सुशासन और समर्पण के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर हमारे युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने वाराणसी और वडनगर में जाकर जो सेवा कार्य किए हैं, वह अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के युवाओं ने प्रधानमंत्री जी की कर्मभूमि वाराणसी और जन्मभूमि वडनगर में जाकर स्वच्छता अभियान, जनसंपर्क और विकसित भारत के संकल्प को घर-घर तक पहुंचाने का कार्य किया है। कार्यकर्ता ही भाजपा की असली ताकत हैं, जो प्रधानमंत्री जी के 'राष्ट्र प्रथम' के मंत्र को लेकर निरंतर कार्य कर रहे हैं। यही सेवा भावना वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायक होगी।

पहली बार विपक्ष का सुप्रीम कोर्ट तक मार्च

■ एसआईआर और ज्ञानेश कुमार के खिलाफ याचिका लाई

नई दिल्ली। राहुल, प्रियंका, खड्गे के साथ अन्य विपक्षी सांसद सोमवार शाम अचानक सुप्रीम कोर्ट के अंदर पहुंचे। पहले विपक्षी सांसदों ने दिल्ली के बाराखंबा रोड से सुप्रीम कोर्ट की ओर मार्च निकाला था। उन्हें 500 मीटर पहले रोक दिया गया था। यह पहली बार है जब विपक्षी नेताओं ने किसी मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट तक मार्च निकाला। एसआईआर में गड़बड़ी के खिलाफ विपक्ष ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है, जिसमें राहुल गांधी, अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव समेत 11 विपक्षी नेता याचिकाकर्ता हैं।



मार्च के पहले राहुल गांधी ने 40 मिनट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें उन्होंने कहा था कि विपक्ष का मार्च शिवजी की बारात की तरह है, इसमें कोई भी शामिल हो सकता है। रविवार को विपक्षी सांसदों ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत को पत्र लिखा था और जापान सौंपने के लिए समय मांगा था। लेकिन सीजेआई ने मिलने से इनकार कर दिया और याचिका दाखिल करने के लिए कहा था।

जम्मू-कश्मीर के पुंठ में 4 आतंकियों की मौत

■ सुसपैट करने की कोशिश कर रहे थे, बारूदी सुरंग की वपेट में आए

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पुंठ जिले में नियंत्रण रेखा के पास घुसपैट की कोशिश के दौरान बाबूदी सुरंग में विस्फोट होने से लश्कर-ए-तैयबा के एक शीर्ष कमांडर समेत चार आतंकियों के मारे जाने की खबर है। चारों आतंकियों की पहचान मोहम्मद इशियाक, मोहम्मद फैजान, मोहम्मद वकास और मोहम्मद असीम के रूप में हुई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आतंकियों का यह समूह सोमवार दोपहर बाद कृष्णा घाटी सेक्टर के नंगी टकरी इलाके में घुसपैट की कोशिश कर रहा



था। इसी दौरान वे बारूदी सुरंगों वाले क्षेत्र में पहुंच गए, जिससे जोरदार वकास और मोहम्मद असीम के रूप में हुई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आतंकियों का यह समूह सोमवार दोपहर बाद कृष्णा घाटी सेक्टर के नंगी टकरी इलाके में घुसपैट की कोशिश कर रहा

भी संभावित सुरक्षा चुक को रोका जा सके। एक अन्य घटना में, भारतीय सेना ने सोमवार को पुंठ के मेंडर सेक्टर के बसोनी इलाके में सीमा पर लगी बाड़ के पास दो पुरानी बारूदी सुरंगों का पता लगाया। अधिकारियों के अनुसार, सुबह 8:25 बजे रास्ता बनाने के काम के दौरान ये सुरंगें मिलीं। सेना के विशेषज्ञों ने नियंत्रित विस्फोट के जरिए दोनों विस्फोट हुआ। विस्फोट में चारों आतंकियों की मौके पर ही मौत हो गई। भारतीय सुरक्षा बलों ने पूरे सेक्टर में अलर्ट जारी कर दिया है। नियंत्रण रेखा पर निगरानी बढ़ा दी गई है, ताकि किसी

लोकतंत्र में विरोध का अधिकार, जनादेश को बदनाम करने का लाइसेंस नहीं: अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली। भाजपा के वरिष्ठ नेता अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि लोकतंत्र में असहमति और विरोध का अधिकार सभी को है, लेकिन जनादेश को बदनाम करने का लाइसेंस किसी के पास नहीं है। भाजपा मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए ठाकुर ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी तथ्यों और तर्कों के बजाय बार-बार चुनावी हार का ठीकरा ईवीएम, चुनाव आयोग और संवैधानिक संस्थाओं पर फोड़ते हैं। अनुराग ठाकुर ने कहा कि राहुल गांधी कहने को तो नेता प्रतिपक्ष हैं, लेकिन उन्हें न तथ्यों की जानकारी है, न तर्कों की और न नियमों की। उन्होंने आरोप लगाया कि



राहुल गांधी की राजनीति का उद्देश्य अराजकता और अस्थिरता पैदा करना, संवैधानिक संस्थाओं को नीचा दिखाना और दुनियाभर में देश की छवि को नुकसान पहुंचाना रह गया है। ठाकुर ने कहा कि राहुल गांधी जिस 'वोट चोरी' की बात कर रहे हैं, वह खुद जनादेश से 'सीना जोरी' कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी पहले आरोप

लगाते हैं और बाद में अदालत में माफी मांगते हैं। उन्होंने कहा कि चुनावी हार के बाद कभी ईवीएम, कभी चुनाव आयोग और कभी मुख्य चुनाव आयुक्त को जिम्मेदार ठहराया जाता है।

भाजपा नेता ने कहा कि राहुल गांधी राष्ट्रपति मुर्मु के पास अपनी शिकायत लेकर गए थे, लेकिन जब उनसे प्रमाण मांगे गए तो वह कोई ठोस जवाब नहीं दे पाए। इसके बाद मुख्य न्यायाधीश के पास जाने का जिक्र करते हुए ठाकुर ने कहा कि उन्हें भी स्पष्ट कर दिया गया कि सर्वोच्च अदालत को राजनीति का अखाड़ा नहीं बनाया जा सकता। अनुराग ठाकुर ने आरोप लगाया कि कांग्रेस का एक ही फंडा है कि सत्ता नहीं मिले तो अराजकता फैलाई जाए।

रेलवे सुरक्षा बल का 42वाँ स्थापना दिवस समारोह

■ साहस, प्रतिबद्धता एवं उत्कृष्टता का सम्मान: रेलवे सुरक्षा में समर्पण का प्रतीक

रायपुर (विश्व परिवार)। रेलवे सुरक्षा बल ने आज 12 अक्टूबर, 2026 को अपना 42वाँ स्थापना दिवस भव्य औपचारिक परेड तथा प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी के साथ इंस्टीट्यूट ग्राउंड, डब्ल्यू आर एस कॉलोनी में मनाया। इस अवसर पर यात्रियों की सुरक्षा, रेलवे संपत्ति की रक्षा तथा भारतीय रेल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रति बल की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया गया। यह स्थापना दिवस 20 सितंबर, 1985 की ऐतिहासिक उपलब्धि का स्मरण कराता है, जब रेलवे सुरक्षा बल को संघ के सशस्त्र बल का दर्जा प्रदान



किया गया था। यह अवसर बल की संस्थागत विरासत, जनसेवा के प्रति उसके समर्पण तथा व्यावसायिक उत्कृष्टता, परिचालन तत्परता और तकनीकी नवाचार के माध्यम से रेलवे सुरक्षा को सुदृढ़ करने के उसके निरंतर प्रयासों का उत्सव है। रेलवे सुरक्षा बल की महानिदेशक सुश्री सोनाली मिश्रा, IPS ने इस



रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों, छत्तीसगढ़ प्रशासन एवं पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों सहित अन्य गणमान्य अतिथियों ने भाग लिया।

औपचारिक परेड: अनुशासन, साहस एवं परिचालन उत्कृष्टता का प्रदर्शन

42वें स्थापना दिवस समारोह का प्रमुख आकर्षण औपचारिक परेड रही, जिसमें रेलवे सुरक्षा बल के अनुशासन, व्यावसायिक दक्षता, तत्परता तथा परिचालन क्षमताओं का प्रदर्शन किया गया। परेड में विभिन्न टुकड़ियों ने भाग लिया, जिनमें महिला टुकड़ी, CORAS कमांडो टुकड़ी, श्वान दस्ता तथा सेगवे पुलिस महानिदेशक, रेलवे सुरक्षा बल, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महानिरीक्षक श्री मुनव्वर खुशीद तथा

समाज सेवक

जितेन्द्र अग्रवाल

(दाऊ जी) को

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

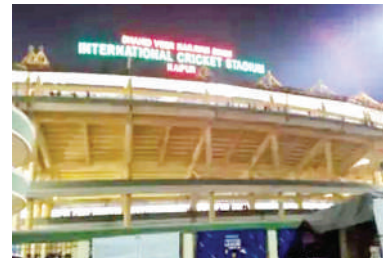
13 अक्टूबर

दाऊ जितेन्द्र अग्रवाल जी पूर्व पार्षद एवं एमआईसी सदस्य नगर निगम रायपुर

रायपुर में पहली बार भारत-जिम्बाब्वे महिला टी-20 सीरीज

■ दोनों टीमें पहुंची, 16, 18, 20 अक्टूबर को मुकाबले ई-टिकट से मिलेगी एंट्री

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर में भारत और जिम्बाब्वे की महिला क्रिकेट टीमों के बीच टी-20 सीरीज का रोमांच जल्द शुरू होने वाला है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कैप्टन स्मृति मंधाना और उनकी टीम रविवार शाम रायपुर पहुंची। वहीं जिम्बाब्वे की टीम आज (सोमवार) को रायपुर पहुंच चुकी है। उसके बाद दोनों टीमें प्रैक्टिस भी करेंगी। इन दोनों टीमों के बीच 3 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले जाएंगे। सभी मैच नवा रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में होंगे। सीरीज का पहला मुकाबला 16 अक्टूबर, दूसरा 18 अक्टूबर और तीसरा 20 अक्टूबर को खेला जाएगा। सभी मैच शाम 7 बजे से शुरू होंगे। इस सीरीज में स्मृति मंधाना पहली बार फुल-टाइम कप्तान के तौर पर भारतीय टीम की कप्तान संभालेंगी। शोफाली वर्मा उप-कप्तान होंगी। पूर्व कप्तान हरमनप्रीत कौर भी टीम में शामिल हैं। 15 सदस्यीय टीम में त्रुषा घोष, जी. कमलिनी, दीप्ति शर्मा, प्रेमा रावत, श्री चरणी, नंदनी शर्मा, क्रांति गौड़, अरंधति रेड्डी, जितिमणि कलिता और मिन्नु मणि भी शामिल हैं। तीनों मैच रायपुर में होने से स्थानीय क्रिकेट प्रशंसकों को छह दिनों में



तीन अंतरराष्ट्रीय मैच देखने का मौका मिलेगा। मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में हुई उच्च स्तरीय बैठक में मैचों की तैयारियों की समीक्षा की गई। इसके बाद रायपुर कलेक्टर की अध्यक्षता में लोकल सपोर्ट कमेटी बनाई गई है। इसमें पुलिस, खेल विभाग, परिवहन, पीडब्ल्यूडी, एनआरडीए और छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ के अधिकारी शामिल हैं। दर्शकों की सुविधा के लिए टिकट ऑनलाइन उपलब्ध होंगे। ई-टिकट स्कैन करने के लिए स्टेडियम परिसर में ओपन वाई-फाई की सुविधा रहेगी। टिकट के साथ तय संख्या में पार्किंग पास दिए जाएंगे। स्टेडियम और पार्किंग क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। दर्शकों के लिए खाने-पीने की चीजों और पीने के पानी की पर्याप्त व्यवस्था भी रहेगी। स्वास्थ्य विभाग आसपास के अस्पतालों की मैपिंग करेगा। स्टेडियम में एम्बुलेंस तैनात रहेगी। आपात स्थिति और वीआईपी आवाजाही के लिए ग्रीन कॉरिडोर तय किया जाएगा।

नवरात्री एवं विजयादशमी की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

VGR REAL ESTATE
Building happiness

RIVER COUNTY

Live the life you imagine

Rera No. PCGRERA210920001144
https://rera.cgstate.gov.in

3 & 4 BHK Duplex Bungalows

Get in touch +91 7725005500/7699969696
Site Address: Near Water Tank, Bhatagaon, Raipur
vgrrealestate@gmail.com www.vgrrealestate.com

जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में पचीरा की टीम रही विजेता

मुख्य अतिथि ठाकुर राजवाड़े ने खिलाड़ियों को खेल भावना से खेलने का दिया संदेश

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- जिला कबड्डी प्रतियोगिता का फइनल मुक़ाबला ब्याज क्लब कोरिया वर्सेस देशी ब्याज पंचिरा के मध्य ग्राम पंचायत जयनगर में सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महिला बाल विकास विभाग समाज कल्याण मंत्री छत्तीसगढ़ शासन प्रतिनिधि सम्माननीय श्री ठाकुर राजवाड़े , भाजपा मंडल अध्यक्ष हरिश राजवाड़े , शोभनाथ राजवाड़े , भाजपा मंडल महामंत्री देवशरण सिंह , पिछड़ा वर्ग महामंत्री श विनोद शाह मंचासीन थे अन्य अतिथियों में सरपंच जयनगर-श्रीमती राधा सिंह ,जनपद सदस्य श्रीमती धनेश्वरी सिंह ,किसान मोर्चा महामंत्री श्री राजेन्द्र गर्वाटिया , निकुंज बिड़िया , संरक्षक राजनाथ सिंह, बंधु राम, छत्रपाल सिंह प्रमुख रूप से उपस्थित , कार्यक्रम की शुरुवात मां भवानी व मां भारती की छाया चित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया गया, तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत फूल माला एवं बूके के द्वारा किया गया,व मुख्य अतिथियों का स्वागत सम्मान श्री फल व अंगवस्त्र भेंट कर किया गया,खेल की



शुरुवात मुख्य अतिथियों के द्वारा खिलाड़ीयों से परिचय प्राप्त कर टास कराकर किया गया यह कबड्डी फइनल में महामुकाबला ब्याज क्लब कोरिया और देशी ब्याज पंचिरा के मध्य खेला गया, दोनों ही टीम ने जीत के लिए जबरदस्त संघर्ष किये,अंत में विजेता का खिताब देशी ब्याज पंचिरा ने 45 अंक प्राप्त कर लिया और उपविजेता ब्याज क्लब कोरिया ने अपने ना सिरमौर किये। यह मैच 1 अक्टूबर से प्रारंभ होकर 11 अक्टूबर को सम्पन्न हुआ, इस खेल में 32 टीम ने भाग लिये थे ,इस दौरान रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम करमा, बायर ,सुगा,छैला,व छोटे बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

स्वागत भाषण मंडल अध्यक्ष श्री हरिश राजवाड़े ने किया, तत्पश्चात् सभा को भाजपा जिला उपाध्यक्ष देवधन राम बिड़िया ने संबोधित करते हुए ग्राम पंचायत की समस्या को अवगत कराते हुए प्रमुख मांग रखे,व सरकार की योजनाओं को अवगत कराया, सभा को मुख्य अतिथि सम्माननीय श्री ठाकुर राजवाड़े जी ने भी संबोधित करते हुए , विकसित भारत संकल्प अभियान को विस्तार से बताया,और 17 सितंबर से 17 अक्टूबर चल रहे कार्यक्रम को भी विस्तार से बताया और नशा मुक्ति अभियान खूब खेलबो , नशा ले दूर रहबो, थीम को बताते



हुए युवाओं को नशा से दूर रहने का आह्वान किये और कहा कि कई परिवार नशा के कारण बिखर रहा है,साथ पढ़ाई कर रहे छात्र - छात्राओं को मोबाइल सु दूर रहने को कहा,अंत मे विजेता टीम को प्रथम पुरस्कार 10,000/ रु नगद व शिल्ड प्रदान किये व शुभकामनाएं दिये ,व उपविजेता टीम को द्वितीय पुरस्कार 7,000/ रु नगद व शिल्ड प्रदान किये,साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले करमा , बायर ,सुगा , छैला टीम को भी पुरस्कृत किये, इस अवसर पर श्री सुरेश सिंह, श्री कृष्णपाल बिड़िया, श्री किरणचंद सिंह,श्री बम्हदेव बिड़िया, श्री मोहर साय,देवेन्द्र

सोनवानी, श्री लाल साय, श्री कमल साय सिंह, श्री बंदेश्वर सारथी,श्री कांशीराम,असलम खान, श्रीमती जीरो बाई, श्रीमती एकरी देवी, श्रीमती देवती सिंह, गायत्री सिंह,बाल कुमारी, रजवंती सिंह,घलम राम,रम्हाई राम गणेश सिंह सिरमनिया सिंह,अंतर साय नीरज, मनोज, विरेन्द्र, ओम् कुमार,मिलन,राम राज, रूकमणि ,शिव कुमार ,धूरपेत,देवती,उन्ती बाई,मनियां बाई, उर्मिला,मतिया, सुरजो,सुख मनियां,सुरपेत,दुलेश्वर,भोला सिंह, आगन राम उपस्थित रहे,मंच संचालन भाजपा मंडल महामंत्री श्री देवशरण सिंह एवं आभार किरण सिंह ने व्यक्त किया।

शिक्षिका रजनी बरेट एवं उनके पुत्र सुजल बरेट के हत्यारे को बिश्रामपुर पुलिस जल्द करे गिरफ्तार नहीं तो होगा आंदोलन अभाविप



सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- शिक्षिका मां एवं उसके पुत्र को निर्मम निर्माता पूर्वक हत्या पर बिखरे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की कार्यकर्ताओं ने विश्रामपुर थाना प्रभारी को ज्ञापन शॉप पर हथियारों को जल गिरफ्तार करने की मांग की है अन्यथा वृहद आंदोलन की भी चेतावनी दी है ।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की कार्यकर्ताओं ने आज थाना प्रभारी विश्रामपुर को ज्ञापन सोपा ज्ञापन में संगठन ने उल्लेख किया है कि विश्रामपुर थाना से 400 मीटर की दूरी पर घाटी इस घटना ने पूरे कोयलांचल को थरा दिया है और पुलिस को भनक तक नहीं लगी यही नहीं घटना के तीन दिन गुजर जाने के बाद भी पुलिस को अभी तक कोई पुख्ता सुराग नहीं मिल पाया है जो पुलिस की सफियता पर कई सवाल खड़ा कर रहा है। विश्रामपुर पुलिस हत्यारे को जल्द करेगी रफ्तार नहीं तो होगा वृहद आंदोलन।



उल्लेखनीय है कि बीते दिन शिक्षिका माँ रजनी बरेट एवं उनके 17 वर्षीय पुत्र जो कक्षा 12वीं के छात्र था की निर्माता पूर्वक हत्या कर दी गई जो अभी तक हत्यारे पुलिस के चंगुल से बाहर है। विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने माँ एवं उनके पुत्र कि हत्या की निंदा करते हुए कानून व्यवस्था पर भी प्रश्नचिन्ह खड़ा किया है,इस घटना की घोर निंदा की है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने अपने संयुक्त बयान में बताया कि इस घटना से पूरे समाज में दुख एवं आक्रोश का माहौल है। एक माँ और एक उसके मासूम विद्यार्थी पुत्र को हत्या होना अत्यंत गंभीर विषय है, इस घटना की कड़ी निंदा संगठन करती है तथा विश्रामपुर पुलिस प्रशासन से माँग करती है कि इस मामले की निष्पक्ष एवं शीघ्र जाँच करे। घटना में शामिल

सभी आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करे तथा साक्ष्यों के आधार पर दोषियों के विरुद्ध कठोरतम कानूनी कार्रवाई करे। पीडित परिवार को सुरक्षा प्रदान की करे और यह सुनिश्चित किया जाए कि उन्हें जल्द से जल्द न्याय मिले। इस मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा जाँच पूरी पारदर्शिता के साथ की जाए।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद पुलिस प्रशासन से माँग करती है कि इस गंभीर घटना को प्राथमिकता देते हुए त्वरित कार्रवाई की जाए और दोषियों को कानून के अनुसार कठोरतम दंड दिलाया जाए। पुलिस हवा में लाठी न मारे रात दिन एक करके आरोपियों को दर्द को अन्यथा संगठन चक्का जाम आंदोलन करने हेतु बाध्य होगा।



सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं शासकीय सेवाओं का लाभ सुलभता से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से समय सीमा की बैठक पश्चात साप्ताहिक जनदर्शन आयोजित किया गया। इस दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों ने कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के



समक्ष अपनी समस्याओं एवं मांगों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किया। कलेक्टर श्रीमती जमील ने जनदर्शन में पहुंचे नागरिकों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना तथा संबंधित अधिकारियों को आवेदनों का परीक्षण कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

वॉल्वो कार इंडिया ने लॉन्च की अपनी पहली सॉफ्टवेयर डिफाइन्ड व्हीकल (एसडीवी) और पूरी तरह इलेक्ट्रिक लक्जरी एसयूवी ईएक्स 90

नई दिल्ली: वॉल्वो कार इंडिया ने अपनी नई ऑल-इलेक्ट्रिक लक्जरी फ्लैगशिप एसयूवी ईएक्स90 को आधिकारिक तौर पर लॉन्च कर दिया है। इसकी कीमत 1.26 करोड़ रुपये (एक्स-शोरूम) रखी गई है। छह सीटों वाली इस लक्जरी फैमिली एसयूवी में स्केडिनेवियाई मिनिमलिस्ट डिजाइन, सुरक्षा के उन्नत मानक, शानदार ड्राइविंग रेंज और अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। ईएक्स90 भारतीय बाजार में वॉल्वो की पहली सॉफ्टवेयर-डिफाइन्ड व्हीकल (एसडीवी) है। इसे वॉल्वो के नए एसपीए2 प्लेटफॉर्म पर तैयार किया गया है। वॉल्वो ईएक्स90 की बुकिंग शुरू कर दी गई है। कस्टमर एक्सपीरियंस और टेस्ट ड्राइव के लिए इसे नवंबर, 2026 से उपलब्ध कराया जाएगा। वहीं इसकी डिलीवरी जनवरी, 2027 से

शुरू करने की तैयारी है। इसके अलावा, 31 दिसंबर, 2026 तक की गई सभी बुकिंग पर एक इंट्रोडक्टरी ऑफ भी दिया जा रहा है। इस ऑफ में 11 किलोवाट का वॉल बॉक्स चार्जर और तीन साल का सर्विस पैकेज शामिल है। साथ ही, वॉल्वो कार्स की डीलरशिप की तरफ से तीन साल बाद गाड़ी की कीमत के 65व तक के बायबैक ऑफ भी मिल रहा है। दिल्ली में आयोजित 90-90 शो के दौरान वॉल्वो कार इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर श्रीजॉति मल्होत्रा ने कहा, ईएक्स90 की लॉन्चिंग ज्यादा इलेक्ट्रिक एवं सॉफ्टवेयर डिफाइनड फ्यूचर की दिशा में वॉल्वो कार इंडिया की प्रतिबद्धता का एक बड़ा पड़ाव है। यह फ्लैगशिप एसयूवी शानदार कम्फर्ट, तकनीक और बेहतरीन ड्राइविंग रेंज के साथ मोबिलिटी के एक नए दौर की शुरुआत करेगी। हमारा मानना है कि यह एक बेहतरीन लक्जरी फैमिली एसयूवी है, जो आपको मानसिक सुकून देगी। इसमें सुरक्षा को सबसे अधिक प्राथमिकता दी गई है। साथ ही इससे स्वीडिश लक्जरी का बेहतरीन अनुभव भी मिलता है। वॉल्वो की अब तक की सबसे स्मार्ट गाड़ी के रूप में तैयार की गई ईएक्स90 में एनवीडिया ड्राइव (NVIDIA DRIVE) प्लेटफॉर्म और क्वालकॉम स्नैपड्रैगन 8155 (Qualcomm Snapdragon 8155) कॉम्पैक्ट टेक्नोलॉजी दी गई है। इसमें 14.5 इंच की सेंट्रल टचस्क्रीन है, जिसमें गूगल का डन-बिल्ट इकोसिस्टम दिया गया है। इसमें गूगल मैप्स, यूट्यूब और अमेजन प्राइम वीडियो जैसे फीचर्स शामिल हैं।

जनसमस्याओं का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण करे निराकरण -कलेक्टर

विद्यालयों में शिक्षकों की नियमित उपस्थिति एवं बेहतर प्रभावी शिक्षण व्यवस्था सुनिश्चित करने के मिला निर्देश

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) कलेक्टर श्रीमती रेना जमील की अध्यक्षता में संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक आयोजित हुई। बैठक में कलेक्टर ने प्रधानमंत्रि आवास, धान खरीदी, सहित शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों एवं विभागीय गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए।

कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत स्वीकृत, निर्माणाधीन एवं पूर्ण आवासों की जानकारी लेते हुए शेष आवासों का निर्माण शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने विभिन्न मर्दों से स्वीकृत विकास एवं निर्माण कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी लेते हुए अपूर्ण कार्यों



को प्राथमिकता के साथ पूरा करने को कहा। बैठक में श्रीमती जमील ने खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत धान खरीदी की तैयारियों एवं कृषक पंजीयन की प्रगति की जानकारी ली। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने के निर्देश

दिए, ताकि किसानों को धान विक्रय के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो। साथ ही कलेक्टर ने एग्रीस्टेक पंजीयन एवं डिजिटल क्रॉप सर्वे के शेष कार्यों की निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने को कहा। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के

संचालन एवं स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने गर्भवती महिलाओं, शिशुओं एवं शिशुवती माताओं के टीकाकरण की प्रगति की जानकारी एवं लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए उन्होंने नियंत्रण कार्यक्रम के तहत अधिक से अधिक नागरिकों की स्वास्थ्य जांच एवं स्क्रीनिंग में प्रगति लाने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने आयुष्मान कार्ड निर्माण की जानकारी लेते हुए शेष पात्र हितग्राहियों का आयुष्मान एवं वय वंदना कार्ड शीघ्र बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य सुविधाओं में आवश्यक सुधार लाने पर जोर दिया। साथ ही टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत संचालित गतिविधियों को गति देने के निर्देश दिए। शिक्षा विभाग की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने विद्यालयों में शिक्षकों की उपस्थिति, अनुपस्थिति एवं अवकाश की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने लंबे समय से अनुपस्थित शिक्षकों के विरुद्ध

की गई कार्रवाई की जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए। साथ ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए विद्यालयों में शिक्षकों की नियमित उपस्थिति एवं शैक्षणिक गतिविधियों की सतत निगरानी सुनिश्चित करने को कहा। कलेक्टर श्रीमती जमील ने समय-सीमा, जनदर्शन, सेवा सेतु, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन एवं पीजी पोर्टल के लंबित प्रकरणों की विभागावार समीक्षा कर शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों की समस्याओं का संवेदनशीलता के साथ समाधान करना प्रशासन की प्राथमिकता है। अधिकारी नियमित अपने दायित्वों का जवाबदेही के साथ निर्वहन करें। बैठक में कलेक्टर ने सेवा संकल्प अभियान की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश भी दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री विजेंद्र सिंह पाटले, अपर कलेक्टर श्रीमती नयन तारा सिंह सहित समस्त अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

जेटवर्क मैनुफैक्चरिंग बिजनेसिज लिमिटेड का आईपीओ गुरुवार 15 अक्टूबर, 2026 को खुलेगा

रायपुर। जेटवर्क मैनुफैक्चरिंग बिजनेसिज लिमिटेड (कंपनी) का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) गुरुवार, 15 अक्टूबर, 2026 को खुलेगा। एंकर निवेशकों के लिए बोली लगाने की तारीख बुधवार, 14 अक्टूबर, 2026 तय की गई है, जबकि आईपीओ सोमवार, 19 अक्टूबर, 2026 को बंद होगा। आईपीओ के लिए प्रति इक्विटी शेयर 143 से 151 रुपये का मूल्य दायरा तय किया गया है। प्रत्येक शेयर का अंकित मूल्य एक रुपये है। निवेशक न्यूनतम 99 शेयरों के लिए बोली लगा सकेंगे। इसके बाद 99 शेयरों के गुणक में बोली लगाई जा सकेगी। निर्गम का न्यूनतम मूल्य अंकित मूल्य का 143 गुना और अधिकतम मूल्य 151 गुना है। इस आईपीओ में एक रुपये अंकित मूल्य के इक्विटी शेयरों का 2,830 करोड़ रुपये तक का नया निर्गम (प्रेश इश्यू) और मौजूदा शेयरधारकों की ओर से 14,45,25,036 इक्विटी शेयरों तक की बिक्री पेशकश (ऑफर फॉर सेल) शामिल है। नए निर्गम और बिक्री पेशकश को मिलाकर कुल आईपीओ का गठन होगा। यह निर्गम एससीआरआर के नियम 19(2)(बी) और सेबी के आईसीडीआर नियमों के विनियमन 31 के तहत लाया जा रहा है। आईपीओ बुक बिल्डिंग प्रक्रिया के माध्यम से पेश किया जाएगा। सेबी के आईसीडीआर नियमों के विनियमन 6(2) के अनुसार, निर्गम में पात्र संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) के लिए शुद्ध निर्गम का कम से कम 75 प्रतिशत हिस्सा अनुपातिक आधार पर आवंटन के लिए उपलब्ध रहेगा। कंपनी बुक रनिंग लीड मैनेजरों (बीआरएलएम) से परामर्श कर क्यूआईबी हिस्से का अधिकतम 60 प्रतिशत एंकर निवेशकों को विवेकाधीन आधार पर आवंटित कर सकती है। एंकर निवेशकों के लिए निर्धारित इस हिस्से से 40 प्रतिशत हिस्सा आरक्षित रहेगा। इसमें 33.33 प्रतिशत घरेलू म्यूचुअल फंड और 6.67 प्रतिशत जीवन बीमा कंपनियों तथा पेंशन फंड के लिए होगा। यदि जीवन बीमा कंपनियों और पेंशन फंड के लिए आरक्षित हिस्से की पूरी सदस्यता नहीं मिलती है, तो शेष शेयर घरेलू म्यूचुअल फंड को आवंटित किए जा सकते हैं। एंकर निवेशक हिस्से में कम सदस्यता मिलने या आवंटन नहीं होने की स्थिति में शेष शेयर एंकर निवेशक हिस्से को छोड़कर क्यूआईबी हिस्से में जोड़ दिए जाएंगे।

न्युवोको ने 10 साल पूरे होने पर मनाया 'दस साल बेमिसाल' का जश्न

मुंबई: भारत की प्रमुख बिल्डिंग मटेरियल कंपनियों में शामिल न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड (न्युवोको) ने अपने 10 साल के सफ़र का जश्न मनाया। यह सफ़र कंपनी के विकास, नए प्रयोगों, साहसिक फैसलों और कर्मचारियों की मेहनत से जुड़ा है। न्युवोको इस खास मौके को 'दस साल बेमिसाल' थीम के तहत मना रही है। यह थीम उन उपलब्धियों और अहम पड़ावों को दर्शाती है, जिन्होंने न्युवोको को एक भरोसेमंद बिल्डिंग मटेरियल कंपनी बनाने में योगदान दिया। इस सफ़र के हर कदम ने न्युवोको को एक सुरक्षित, स्मार्ट और टिकाऊ दुनिया बनाने के उसके सपने के और करीब पहुंचाया है। इस सफ़र की शुरुआत 2014 में हुई थी, जब इसकी पैंरेंट कंपनी निरमा ग्रुप ने राजस्थान के निंबोल में अपने 2 MMTPA क्षमता वाले नए सीमेंट प्लांट उत्पादन शुरू किया। एक प्लांट से शुरू हुआ यह सफ़र आज सीमेंट, रेडी-मिक्ड कंक्रीट और आधुनिक निर्माण सामग्री के कारोबार तक पहुंच चुका है। इस सफ़र का सबसे बड़ा और अहम मोड़ अक्टूबर 2016 में आया, जब कंपनी ने लफ़ज ईंडिया का अधिग्रहण पूरा किया। इस बड़े कदम ने कंपनी के काम और पहचान को बहुत बढ़ा दिया और आज की न्युवोको की मजबूत नींव रखी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इसने एक लंबे समय तक टिकने वाले संस्थान को बनाने के बड़े सपने की शुरुआत की, जो सही उद्देश्य, बेहतरीन प्रदर्शन और लगातार आगे बढ़ने के भरोसे पर चलता है। इसके बाद न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड के रूप में कंपनी ने अपनी अलग पहचान बनाई। इसके साथ ही एक ऐसे संगठन की शुरुआत हुई जिसके अपने लक्ष्य और उद्देश्य थे, और एक ऐसे ब्रांड का जन्म हुआ जिसे कर्मचारी, ग्राहक और पार्टनर्स अपना मान सके। इसके अलावा, साल 2020 में कोविड-19 के दौर में भी, न्युवोको ने इमामी सीमेंट (जो अब न्यु विस्टा लिमिटेड है) को खरीदा। यह भारत के बिल्डिंग मटेरियल क्षेत्र पर कंपनी के अटूट विश्वास और मुश्किल समय में भी निवेश करने की हिम्मत को दर्शाता है। साल 2021 में, न्युवोको शेयर बाज़ार में लिस्टेड हो गई, जिससे और भी अधिक लोग इससे जुड़ सके और कंपनी के विकास का एक नया दौर शुरू हुआ। आगे बढ़ने का यह सिलसिला आज भी जारी है। कंपनी ने अप्रैल 2025 में वडराज सीमेंट को भी अपने कारोबार में शामिल किया। इससे पश्चिमी भारत में उसकी मौजूदगी मजबूत हुई और लंबे समय के विकास पर उसका ध्यान फिर स्पष्ट हुआ। न्युवोको का यह सफ़र केवल कारोबार बढ़ाने तक सीमित नहीं रहा है। कंपनी ने नई तकनीकों को अपनाने, कामकाज में सुधार करने, कर्मचारियों की क्षमताएं बढ़ाने, ग्राहकों के साथ मजबूत संबंध बनाने और सभी हितधारकों के लिए बेहतर मूल्य तैयार करने पर भी ध्यान दिया है।

संपादकीय पर्यटन के जरिए ग्रामीण सशक्तिकरण.....

धनंजय राठौर

छत्तीसगढ़ उत्तर से दक्षिण तक नैसर्गिक विरासत की अमूल्य धरा है, जहाँ नदियाँ, पहाड़, घने जंगल, जलप्रपात, समृद्ध आदिवासी संस्कृति और जनजातों परंपराएं छत्तीसगढ़ को विशिष्ट पहचान प्रदान करती हैं। राज्य सरकार का उद्देश्य दुनिया को छत्तीसगढ़ की वास्तविक सुंदरता, सांस्कृतिक समृद्धि और प्राकृतिक विविधता से परिचित कराना है।

छत्तीसगढ़ का बस्तर, पर्यटन के नक्शे पर अपनी पहचान, संस्कृति और प्रकृति की अनुपम छटा वाले पर्यटन क्षेत्र के रूप में जाना जा रहा है। वास्तव में बस्तर का वन क्षेत्र बेहद निराला है। प्रकृति की हरियाली और स्वच्छता पर्यटकों को आकर्षित करता है। धीरे-धीरे बस्तर न केवल विकास की धारा से जुड़ रहा है बल्कि पर्यटन के हिसाब से भी तेजी से बदल रहा है। यहां का खूबसूरत इलाका अपनी अनेकौड़ी आदिवासी संस्कृति, घने जंगलों की छटा सबका ध्यान खींच रहा है। साथ ही, यहां लोगों का भावपूर्ण और अतिथि सत्कार भी दुनिया भर के पर्यटकों को लुभा रहा है। छत्तीसगढ़ अब अपनी माटी की खुशबू, समृद्ध जनजाती परंपराओं और गांवों के नैसर्गिक सौंदर्य के दम पर देश-दुनिया के पर्यटन मानचित्र पर छाने को तैयार है। राज्य सरकार ने पर्यटन के विकास के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई रफ्तार देने के लिए नई औद्योगिक नीति (2024-2030) में पर्यटन को अग्रणी का दर्जा दिया है। साथ ही जनजातीय क्षेत्रों में होमस्टे को बढ़ावा देने के लिए 'छत्तीसगढ़ होमस्टे नीति' तैयार की है। इसी कड़ी में अब ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 'चेन्द्ररु राज्य ग्रामीण पर्यटन पुस्तकालय' की शुरुआत की गई है। इन तीनों निर्णयों से गांवों में रोजगार, आजीविका और सांस्कृतिक संरक्षण का नया अध्याय शुरू होगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार का यह त्रिआयामी मॉडल पर्यटन को स्थानीय लोगों के आर्थिक सांशककरण की प्रक्रिया को और अधिक मजबूत करेगा। बारिश का मौसम बीतने के बाद पर्यटकों का मन मोहर रहे हैं। इसलिए आज की तारीख में बस्तर भी देश के बेहतरिय पर्यटन स्थलों में एक साबित हो रहा है। हालांकि बस्तर का दशहरा



बहुत पहले से प्रसिद्ध है, 75 दिनों तक चलने वाले बस्तर के दशहरा में कुछ खास होने वाला है, लेकिन हाल के दिनों में इस अवसर पर जुटने वाले स्थानीयों की संख्या में खासा इजाफा दर्ज किया गया है। इस वर्ष भी यहां का दशहरा देखने के लिए देश-विदेश से बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की उम्मीद जताई जा रही है। नवरात्रि और दशहरा के अलावा यहां दीपावली की भी दुनिया भर से भारी संख्या में सैलानी पहुंचते हैं। बस्तर के बालक 'चेन्द्रू मंडावी' की बाघ 'टंकू' के साथ दोस्ती ने कभी अंतराष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ के सहज ग्रामीण जीवन का डंका बजाया था। इसी नयन से राज्य सरकार ने 'चेन्द्रू राज्य ग्रामीण पर्यटन पुरस्कार' की शुरुआत की है। इसके लिए 'चेन्द्रू राज्य ग्रामीण पर्यटन पुरस्कार नियम 2025' लागू किया गया है जो पूरे छत्तीसगढ़ में प्रभावी होगा। इस पुरस्कार के तहत ग्रामीण पर्यटन, लोककला, हस्तशिल्प और प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण में लगे जमीनी नायकों या संस्थाओं को 1 लाख रुपये की नगद राशि और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। छत्तीसगढ़ ट्रिन्स बोर्ड के प्रबंध संचालक की अध्यक्षता वाली 6 सदस्यीय ज्यूरि इसका चयन करेगी और विजेता को राज्योत्सव में मंच पर सम्मानित कर उन पर एक सचित्र स्मारिका जारी की जाएगी। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए %चेन्द्रू' यह ग्रामीण पर्यटन पुरस्कार की शुरुआत की गई है। नए पुरस्कार बस्तर

के %टायगर बाँध% के नाम से शाहूह चेन्दुर मंडवी की स्मृति में शुरू किया गया है, जिन्होंने स्वीडिश फिल्म %जंगल सागा% से अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त की थी। गांवों की संस्कृति, मनजातीय परंपराओं, प्राकृतिक सौंदर्य और स्थानीय जीवनशैली को पर्यटन से जोड़ना और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ाना। 'चेन्दुर राख्य ग्रामीण पर्यटन पुरस्कार' उन लोगों और संस्थाओं को पहचान देता है जो प्रयास हैं, जो जमीनी स्तर पर पर्यटन के माध्यम से अपने गांव और क्षेत्र की तस्वीर बदल रहे हैं। पुरस्कार और प्रोत्साहन के साथ-साथ राज्य स्तर की होमस्टे नीति इस पूरे ढांचे को व्यावहारिक धरातल प्रदान कर रही है। अब पर्यटक मगरी होटलों की बजाय गांवों में पारंपरिक घरों का अनुभव कर सकेंगे। पर्यटक गांव के ही घरों में रुकेंगे। होमस्टे, स्थानीय व्यंजन, हस्तशिल्प, लोककला, लोकसंस्कृति, प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक धरोहर को समुदाय आधारित पर्यटन को प्रोत्साहित कर छत्तीसगढ़ देश में ग्रामीण पर्यटन का एक विशिष्ट मॉडल बन सकता है। पर्यटकों को ग्रामीणों के घरों में ठहरने, उनका पारंपरिक भोजन करने, चारपाई का उपयोग करने, खेत-खलिहान घूमने और कुएं पानी आदि देखने-अनुभव करने का अवसर मिलता है। होमस्टे नीति 2025-30 के माध्यम से ग्रामीण, जनजातीय और सुविधा क्षेत्रों के परिवारों को अपने घरों को पर्यटन सुविधा में बदलकर अतिरिक्त आय और खरोजगार का अवसर मिलेगा। वहीं, पर्यटकों

आलेख

संशोधित ईपीएफ सीमा और सामाजिक सुरक्षा तंत्र का निर्माण, कदम-दर-कदम आगे बढ़ते हुए

वी. अनंत नागेश्वररन् और सुश्रुति सिंह

विश्वकर्मा जयंती पर, कामगारों और शिल्पकारों का सम्मान करने वाले इस पर्व के अवसर पर सरकार ने कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफ) के लिए वेतन सीमा को 15,000 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये प्रति माह करने के बहुत समय से लंबित निर्णय की घोषणा की। कोई पूछ सकता है कि सीमा में 10,000 रुपये की वृद्धि से आखिर क्या बदलाव आएगा? इस संशोधन की आवश्यकता क्यों है और इसका कर्मचारी या नियोक्ता पर क्या प्रभाव पड़ेगा? तो आइए, मूल बातों से शुरूआत करते हैं। 25,000 रुपये की यह वैधानिक वेतन सीमा अनिवार्य ईपीएफ, कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस) और कर्मचारी जमा-लिंकड बीमा (ईडीएलआई) कवरेज के लिए सीमा का काम करती है। ये तीनों योजनाएं भारत में वेतनभोगी कामगारों के लिए सामाजिक सुरक्षा तंत्र का मूल आधार हैं। सेवानिवृत्ति, आपातकालीन निधि; निधियों के अंशदान से वित्तपोषित पेंशन निधि, जिससे सेवानिवृत्ति के बाद भुगतान किया जाता है; और जीवन बीमा, जिसे नियोक्ता के अंशदान से ही वित्तपोषित किया जाता है, जिससे कर्मचारी की मृत्यु की स्थिति में उसके परिवार को सहायता मिल सके। पूर्णतः उचित यही है कि सामाजिक सुरक्षा को साल 2014 से स्थिर किसी संख्या पर आधारित न रखा जाए, जबकि इस अवधि में वेतन, न्यूनतम मजदूरी और जीवन-यापन की लागत लगातार बढ़ती रही है। पिछली वेतन सीमा के तहत, 15,000 रुपये से अधिक मासिक वेतन पर नौकरी शुरू करने वाला कोई भी नया कर्मचारी अनिवार्य ईपीएफ कवरेज से बाहर हो जाता था, ईपीएस के लिए पात्र नहीं होता था और ईडीएलआई के संरक्षण से भी वंचित रहता था। किसी मौजूदा कर्मचारी का वेतन समय के साथ इस सीमा से अधिक हो जाने पर कवरेज समाप्त नहीं होती थी, लेकिन ईपीएस के तहत पेंशन योग्य वेतन 15,000 रुपये पर ही सीमित रहता था। कोई यह तर्क दे सकता है कि अधिक वेतन पाने वाले कर्मचारी इसके बजाय स्वेच्छिक कवरेज का विकल्प चुन सकते हैं। इस तर्क में समस्या यह है कि सीमा से अधिक वेतन पर स्वेच्छिक नामांकन के लिए संयुक्त विकल्प के तहत नियोक्ता की सहमति आवश्यक होती है, जिससे यह विकल्प सुनिश्चित अधिकार के बजाय सौदेबाजी का विषय बन जाता है। बढ़ी हुई वेतन सीमा के साथ, यह कवरेज सौदेबाजी का विषय न रहकर अधिकार बन जाएगी। बढ़ी हुई वेतन सीमा कामगारों से जुड़ी सभी समस्याओं का समाधान तो नहीं करती, लेकिन यह औपचारिक सामाजिक सुरक्षा तंत्र को थोड़ा अधिक न्यायसंगत और थोड़ा व्यापक जरूर बनाती है। 10,000 रुपये की वृद्धि भले ही मामूली लगती हो, लेकिन अब सामाजिक सुरक्षा तंत्र के दायरे में आने वाले अतिरिक्त 51 लाख कामगारों की संख्या मामूली नहीं है। और अधिकांश अधिकारों के विपरित, इस अधिकार का लाभ लेने के लिए कामगार को अपनी ओर से कुछ भी करने की आवश्यकता नहीं है। मृत्यु अपने भविष्य की कल्याण करने और उसके लिए तैयारी करने में खास अच्छे नहीं होते। 65 वर्ष की उम्र के अपने भावी स्वरूप के लिए कोई बजट नहीं बनाता। हम अवसर उस छोटे लाभ को चुनते हैं जो जल्दी मिल जाए, बजाय उस बड़े लाभ के जो देर से मिले। व्यवहार अर्थशास्त्र में इसे 'हाइपरबोलिक डिस्काउंटिंग' कहा जाता है। परिणामस्वरूप, सीमित आय में तत्काल उपभोग की जरूरतों को पूरा करने की तुलना में भविष्य में अपने लिए या किसी भावी परिस्थिति के लिए बचत करना और योजना बनाना अवसर अधिक कठिन होता है। यही कारण है कि ईपीएफओ द्वारा संचालित अनिवार्य सामाजिक सुरक्षा अंशदान जैसी व्यवस्थाओं की रूपरेखा महत्वपूर्ण है। यह बचत के लिए कामगार की इच्छा या इच्छाशक्ति पर निर्भर किए बिना काम करती है। आय के कामगार के खাতে में पहुंचने से से पहले ही पेंशन के लिए अंशदान अलग रख दिया जाता है—जो पैसा कभी दिखाई ही नहीं देता, उसे खर्च करना संभव नहीं होता। और धीरे-धीरे, हर महीने वेतन का एक छोटा हिस्सा अलग रखा जाता है, जिससे सेवानिवृत्ति निधि तैयार होती है, जिसका उपयोग आपातकाल में भी किया जा सकता है। साथ ही जीवन बीमा का कवरेज भी मिलता है—वह भी आपके अपनी ओर से बिना कोई अतिरिक्त प्रयास किए।

पंजाब के विश्वविद्यालयों में तोडफ़ोड क्यों

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

अप्पमाह फैलाने के बाद उस पर उग आई फसल को कैसे काटना है, इसके लिए पूरा नेटवर्क चाहिए। यह काम नेटवर्क के बिना नहीं हो सकता। अप्पमाह फैलाने और उससे फैलने से बने स्पेस में तोड़पड़ के लिए छात्रों के रूप में जो लोग आए उनको पुलिस विश्वविद्यालय के अन्दर कैसे जाने दिया? ये सब ऐसे प्रश्न हैं जिनके उत्तर दून्ने की बजाय उत्तर छड़ाने की कोशिश हो रही है। जूम, कश्मीर के एक लड़के की उस दिन की एक पोस्ट सामने आ रही है, जिसमें सारा रूप में वह कह रहा है सवाल इतना सरल नहीं है। असल मुद्दा 'सवाल पूछने के अधिकार' का है। हमें सवाल पूछने नहीं दिए जा रहे। सवाल पूछने की प्रतिबन्धित किया जा रहा है। यह भाषा राहुल गान्धी की भी है। यह भी देश भर में यह कहते हुए घूम रहे हैं कि सवाल नहीं पूछने दिए जा रहे। वही छात्र कहता है कि इसीलिए गुस्से में आकर मैं तोड़पड़ कर रहा हूँ। लेकिन यहां तो मसला और भी उलझा हुआ है। जिस घटना पर सवाल पूछने की बात कही जा रही है, उस काल्पनिक घटना की अप्पमाह एक पड़यंत्र के तहत फैलाई गई घटना के कुछ दिन पहले पंजाब के दो प्राईवेट स्कूलों विश्वविद्यालयों में एक साथ भयानक हिंसा और तोड़पड़ हुई। अभी उसकी जांच चल रही है, इसलिए उससे बारे में अभी कुछ कहना मुश्किल है। लेकिन इसमें जांच का एक बिन्दु कुछ साल पहले की अविदित

केजरीवाल का कार्यप्रणाली में जुड़ता दिखाई दे रहा है। अरविन्द केजरीवाल जिन दिनों दिल्ली के रामलीला मैदान में महाराष्ट्र के अन्ना हजारे को आगे करके अपनी भविष्य की राजनीति की रणनीति बना रहे थे तब कुछ लोग आरोप लगा रहे थे कि केजरीवाल अराजकता फैलाना चाह रहे हैं। इसका उत्तर केजरीवाल ने यह कहकर कर दिया था कि वे सचमुच अराजकता फैलाना चाहते नहीं रहे हैं। योंकि दिल्ली की सत्ता उनकी इसी रणनीति के कारण मिली थी, यकीनन केजरीवाल ऐसा मानते होंगे। अब पंजाब की ओर। पंजाब में केजरीवाल की पार्टी का सत्ता खतरे में है। ऐसा माना जा रहा है कि आगामी भीम पंजाब विधानसभा के लिए होने वाले चुनाव के नतीजे चाहे कुछ भी हों, सरकार कोई भी हो, लेकिन केजरीवाल सत्ता से बाहर होंगे। वे अभी भी पंजाब की राजनीति में प्रसंगिक बने रहना चाहते हैं। प्रसंगिक होंगे तो दिल्ली में इंडी की मीटिंग में बैठने के लिए कुर्सी मिलेगी, नहीं तो वहां की कुर्सी भी फिन जगाएगी। क्या प्रसंगिक बने रहने के लिए दिल्ली की तरह पंजाब में भी अराजकता का खेल खेलने की तैयारी हो रही है? क्या पंजाब के लिए विश्वविद्यालयों में हुई हिंसा और अराजकता को इस पृष्ठभूमि में देखा जा सकता है। इससे जुड़ा एक दूसरा प्रश्न भी है। अराजकता के प्रयोगों के लिए विश्वविद्यालयों का चयन ही क्यों किया गया, इसका एक सफल और सीधा उत्तर तो यही हो सकता है कि एक विश्वविद्यालय के मालिक आम आदमी पार्टी की ओर से राज्यसभा के सदस्य थे, लेकिन बाद

मे वें आम आदमी पार्टी की रस्सी तुड़ा कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए थे, इसलिए उन्हें सजा देना जरूरी था। यह सुकून की राजनीति नहीं है। लेकिन राजनीति केवल सुकून के लिए नहीं होती। सुकून उसका एक छोटा सा हिस्सा हो सकता है। यदि मान भी लिया जाए कि अशोक भिल्ल की यूनिवर्सिटी का उत्पात केवल सुकून के लिए था, तब भी इस राजनीति के बड़े हिस्सों की भी आखिर तलाश तो करनी ही होगी। इस राजनीति का एक हिस्सा कहीं न कहीं जंतर मंतर पर काकोरोचों के उत्पात से जुड़ा दिखाई तो नहीं दे रहा है कि सी विश्वविद्यालय में यदि कहीं छात्र सड़क पर उतरते हैं, तो वह विश्वविद्यालय या चाहे किसी भी प्रांत में न हो, अपने व्यापक सन्दर्भ में वह देश के छात्र आन्दोलन से जुड़ा है। छात्रों का सन्दर्भ क्षेत्रीय नहीं रहता, वह सदा ही अखिल भारतीय सन्दर्भ से जुड़ा है जो या जोड़ा जा सकता है। जब से काकोरु जंतर मंतर पर सक्रिय हुए हैं तब से यह चर्चा भी गम रहती है कि ये काकोरुच तो लम्बे अरसे से अरविन्द केजरीवाल के आसपास घूमते देखे गए थे। हम न हो इन्हें नए रूप में छोड़ दिया न ही सही समय देखकर जंतर मंतर पर छाड़ दिया हो। सबसे बड़ी सफलता यह रही कि इन काकोरुचों को देश की युवा पीढ़ी और विश्वविद्यालयों के छात्रों के साथ नृत्थी कर दिया गया और इस प्रयोग से देश के शिक्षा मंत्रों को इस्तीफा भी देना पड़ा। क्या पंजाब के दो विश्वविद्यालयों में हुआ उत्पात इसी प्रयोग का दूसरा हिस्सा है? कहा जा सकता है कि यह प्रयोग

जिजाब में करने का क्या लाभ हो सकता है, क्योंकि पंजाब में तो पहले ही केजरीवाल का राज है। इससे तो केजरीवाल की सरकार को ही नुकसान हो सकता है। लेकिन हो सकता है उसका मचा रहे इन छात्रों की जल्दी ही जैन-जी घोषित कर दिया जाता और व्यापक असदर्थ में इसे देशव्यापी छात्र अस्तोष से जोड़ दिया जाता। इसलिए इस पूरे प्रकरण की जांच बहुत लाजिमी है। निष्पक्ष जांच और भी जरूरी है। क्योंकि जिस 'अराजकता कांड' में पुलिस की भूमिका पर भी शक है, उसी की उंगलियां उठ रही हैं। जिस बलात्कार की घटना को लेकर इतना बवाल खड़ा किया गया, अब वह कांड ही गायब है। कहा जा रहा है कि वह केवल अप्रवाह थी। जिस अप्रवाह को लेकर हिंसा का तांडव हुआ, उस अप्रवाह को फैलाया किसने? वह अकेला तो हो नहीं सकता। अप्रवाह फैलाने के बाद उस पर उग आई फ़लत को कैसे काटना है, इसके लिए पूरा नेटवर्क चाहिए। यह काका नेवर्क के बिना नहीं हो सकता। अप्रवाह फैलाने और उसके फैलने से बने स्पेस में तोड़फ़ोड़ के लिए छात्रों के रूप में जो लोग आए उनकी पुलिस से विश्वविद्यालय के अन्दर कैसे जाने दिया? ये सब ऐसे प्रश्न हैं जिनके उत्तर ढूँढ़ने की बजाय उत्तर छिपाने की कोशिश ही रही है। जम्मू कश्मीर के एक लड़के को उस दिन की एक पोस्ट सामने आ रही है, जिसमें सारा रूप में वह कह रहा है सवाल इतना सरल नहीं है। असल पड़ना 'सवाल पूछने के अधिकार' का है। हमें सवाल पूछने नहीं दिए जा रहे।

रासुका के दुरुपयोग पर उठते सवाल

योगेंद्र योगी

कफ़ील खान के मामले में भी बाद में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने एनएसए को अवैध बताया हुए इसे रद्द कर दिया था। कानूनी विशेषज्ञों और अदालतों ने कई मौकों पर चर्चा जताई है कि पुलिस और जिला प्रशासन अक्सर सामान्य कानून-व्यवस्था के मामलों, अक्सर सतिविक चिरोओं, और यहां तक कि स्थानीय विवादों जैसे गोरेग्री, बिजली चोरी या माफिया मामलों में भी बिना पुख्ता आधार के एनएसए का सहारा लेते हैं। इस कानून का दुरुपयोग रोकने को रोस्टे में उपाय होने चाहिए देश में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के दुरुपयोग पर सवाल उठते रहे हैं। उच्चतम न्यायालय और सिविल उच्च न्यायालयों में कई फैसले और जाहिर हो गया कि सरकारों किस तरह से इस कानून का इस्तेमाल करके राजनीतिक स्थिति सिद्धि में लगी हुई हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के दुरुपयोग ने उत्तर प्रदेश की योगी सरकार को फूफूह कर उठा दिया। संभव हिंसा मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाते हुए मुल्ला अफ़्जो ज़ी एनएसए के तहत हिंसक चोरों के रद्द कर दिया। इतना ही नहीं उत्तर प्रदेश सरकार पर 10 लाख का जुर्माना भी लगा दिया। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद

उस फैसले को पलट दिया है, अब अपोजि के खिलाफ जारी कोर्ट की सही ठहराया गया था।

पंकर दत्ता और जस्टिस शील च ने कहा कि प्रीवेंटिव डिस्टेंशन अध्यायी हिरासत के लिए सिर्फ डिजिटल कंफेशन, अर्थात के बाहर किए गए कथों को ही एकमात्र आधार नहीं सकता है। कोर्ट ने गैर-कानूनी डिस्टेंशन ऑर्डर जारी करने के अंतर्गत सरकार पर 10 लाख जुर्माना लगाते हुए कहा कि लेने वाले अधिकारी को मामले में परीस्थितियों पर भी विचार ए था। सुनवाई में अदालत ने मुल्ला शर्मा के मामले में ने अपनी शक्तियों का गलत किया है। संभल में नवंबर 2024 मा मसिज में कोर्ट के आदेश के दौरान हिंसा के आरोप में ज ज को गिरफ्तार किया गया था। हाबाबाद हाईकोर्ट ने उसे जमानत देसके बाद 13 अक्टूबर 2025 अपोजि के खिलाफराष्ट्रीय सुरक्षा हादर डिस्टेंशन ऑर्डर जारी किया सल सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला योगी सरकार और झटका है। पहला त और दूसरा अल्पसंख्यकों के भाजपा सरकारों पर रहे हैं। इससे पहले पोछा में गत अंश विरोध प्रदर्शन के चौधरी को राष्ट्रीय के तहत हिरासत में नगर की जिलाधिए पर पांच लाख रुप यह राशि उनकी रस को देने का निर्देश हाई कोर्ट के आदेश चुनौती दी थी। सु हाईकोर्ट के आदेश भाजपा की राज्यों सुरक्षा कानून का दु की लंबी फेहरिस्त आलोचना पसंद अतिथिनम अर्थात मुख्य उद्देश्य देश व्यवस्था को बना विपक्ष, मानवाधिक कानूनी वितलेपों राज्यों की भाजपा

पा के लिए दोहरा एएसए का दुरुपयोग करने में प्रति नजरिया। पहले में सखी के लेहे भी आरोप लगते हाहाबाद हाई कोर्ट ने में हुए मजदूरों के सोनम वांगचुक को हिरासत में और राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम राजस्थान की जोधपुर जेल में रखा गया। सरकार ने कहा कि हिंसा प्रदर्शनों के बाद सार्वजनिक व्यवस्था के लिए वांगचुक को रखा गया था। देश भर में हुई की तीखी आलोचना के बाद ने मजबूर होकर वांगचुक से एनएसए और उन्हें रिहा किया गया सोनम वांगचुक ने जिन्होंने नीति प्रकरण में मोदी सरकार को सलाह की हिला कर दिया था। वांगचुक परीक्षा में अनियमितताओं और के खिलाफ जंतर-मंतर पर 28 से भूख हड़ताल शुरू की बिगडने और 26 दिनों तक चले बाद, केंद्रीय मंत्रियों (जेपी न सिंदर सिंह) के लिखित आदेशों के बाद की अपील पर उन्होंने 2026 को गुरुग्राम के मेदांतो

कारियों अपना अंशान समाप्त किया। विडंबना यह रही है कि जिस वांग्कुक् पर एएसएस लगाया गया था, उन्होंने का अंशान शिक्षा मंत्री धर्मनन्धन प्रधान के इस्तीफे का एक बड़ा कारण बताया। इसी तरह मणिपुर में पुलिस ने पत्रकारों के किशोरचंद्र वांग्खेम और राजनीतिक कार्यकर्ता ऐंज़ेंडो लीचेन्बम पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एएसएसए) के तहत मुकदमा दायर किया गया था। दोनों पर आरोप था कि उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके मणिपुर के दिवंगत भाजपा अध्यक्ष एसएल दिनेंद्र सिंह को खिल्ली उड़ाई। 40 वर्षीय दोनों आरोपियों ने फेरबंदक पर उभरी श्रद्धांजलि देते हुए अलग-अलग पोस्ट करके लिखा था कि गाय का गोबर या गोमूत्र को वांघु-19 से बचाव नहीं करते हैं। मणिपुर हाईकोर्ट के जुलाई 2021 में दिए गए आदेश पर पत्रकार वांग्खेम को रिहा किया गया। जबकि राजनीतिक कार्यकर्ता लीचोमबाम इंद्रेंद्र को उच्चतम न्यायाधीश के निर्देश के बाद रिहा किया गया था। एएसएस के दुरुपयोग को सूची में साल 2026 में ही असम में स्वदेशी और भूमि अधिकार कार्यकर्ता प्रणब डोले का मामला भी है। डोले को काजोरगाँ में लक्जरी होटल निर्माण के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने के कारण गिरफ्तार किया गया।

जीवन में स्वस्थ रहना है तो भोजन शुद्ध एवं सात्विक करें : मनि श्रमण सागर जी

■ शरद पूर्णिमा के शुभ दिन 16 अक्टूबर को आचार्य छत्तीसी विधान होगा।

राघौगढ़ (विश्व परिवार)। दिगंबर जैन आचार्य विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य, महान तपस्वी, औजस्वी वका, बुंदेली महाकवि मुनि श्रमण सागर जी महाराज ने राघौगढ़ नगर में सोमवार को विद्यासागर सभागार में जारी श्रमण धारा प्रवचन माला में जैन दर्शन एवं वैज्ञानिक दृष्टि से भोजन का महत्व विषय पर मंगल प्रवचन करते हुए कहा रात दिन खाते रहने से मानव जीवन में अनेक विकृतियों आ रही हैं। पेट में पचाने की क्षमता नहीं है क्षमता से अधिक खाते रहने से बीमारियां बढ़ रही है। मुनि श्रमण सागर जी महाराज ने कहा ब्रेकफ़ास्ट अंग्रेजी शब्द है। अंग्रेजों का अनुशरण कर हम भोजन से पहले जो नाश्ता करते हैं वह ब्रेकफ़ास्ट कहलाता है। जैन दर्शन के अनुसार ब्रेकफ़ास्ट उसे कहते हैं व्रत और एवं उपवास के अगले दिन जो



पारणा किया जाता है वह ब्रेकफ़ास्ट कहलाता है। लगभग हर व्यक्ति रात को 12 बजे एवं 2 बजे तक खाता है सुबह फिर 8:00 बजे ब्रेकफ़ास्ट करता है। शरीर को कितना समय ही नहीं दे रहे हैं कि जो खाना है उसे पचाया जा सके। मुनि श्रमण सागर जी महाराज ने बंदर का उदाहरण देते हुए कहा बंदर शाम को सूर्यास्त के बाद कुछ नहीं खाता, सुबह होते ही भरपेट सब खाता है। बंदर एवं मनुष्य के

शरीर की रचना लगभग एक जैसी है। बंदर जीवन में कभी बीमार नहीं होता है। जैन दर्शन एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण का उल्लेख करते हुए कहा सूर्योदय से सूर्यास्त तक ही भोजन करना चाहिए। सूरज में प्रकाश भी है एवं प्रताप भी है। सूर्यास्त होने पर अस्वस्थता छोटे-छोटे जीव जंतु पैदा हो जाते हैं। आपने कहा जैन दर्शन में उपवास करने के तीन फ़ायदे बताए हैं इससे मन वचन काय शुद्धि होती है। मन में विकार नहीं आते हैं। उपवास पुण्य का भी सशक्त माध्यम है। दिन-रात खाने से जब अनेक बीमारियां पैदा हो जाती हैं जब डॉक्टर को दिखाने जाते हैं तो डॉक्टर दाल रोटी एवं परहेज का भोजन करने की सलाह देते हैं। आपने कहा भूख से कम खाओ स्वस्थ रहोगे। ठंड का मौसम खाने के लिए, गर्मी का मौसम पिय पदार्थ पीने का मौसम

एवं बरसात का मौसम भूखा रहने का मौसम है। बरसात के मौसम में जैन संत निरंतर उपवास करते हैं आपने आचार्य विद्यासागर जी महाराज के कथन का उल्लेख करते हुए कहा घास पुछ खाएं उन्हें सताये काम, जो व्यंजन खाते हैं उनकी जाने राम। प्रवचन के अंत में मुनि श्रमण सागर जी महाराज ने स्वयं रचित बुंदेली कविता सुनाई पहले तुम हमें जा बताओ। कार्यक्रम संयोजक विकास कुमार जैन ने बताया है राघौगढ़ में दस लक्षण पर्व के अवसर पर दिनांक 16 सितंबर से 25 सितंबर तक दोनों मुनि राजों के पावन सानिध्य में आयोजित किए गए श्रमण संस्कार शिविर में भाग लेने वाली राघौगढ़ नगर एवं साडा कॉलोनी की माता बहनों को मुनिराज के पावन सानिध्य में सम्मान प्रतीक समारोह पूर्वक प्रदान किए गए। आगामी 26 अक्टूबर शरद पूर्णिमा का शुभ दिन आचार्य गुरुवर विद्यासागर जी महाराज एवं नवाचार्य समय सागर जी महाराज का अवतरण दिवस है।

भव्य बन रहा है गढ़रीवा का मां चंडिका मंदिर

■ नवरात्र पर श्रद्धालुओं में उत्साह, मनोकामना ज्योति की तैयारियां जोरों पर

आरंग (विश्व परिवार)। आज कुंवार नवरात्र के आगमन के साथ ही क्षेत्र के देवी मंदिरों में भक्ति का माहौल बन गया है। साफ-सफ़ाई, रंग-रोगन, रोशनी और मनोकामना ज्योति की तैयारियां जोरों पर हैं इसी बीच पुरातात्विक ग्राम गढ़रीवा स्थित प्राचीन मां चंडिका देवी मंदिर का ग्रामीणों द्वारा जीर्णोद्धार कराया जा रहा है। इस पुनीत कार्य में कैबिनेट मंत्री गुरु खुरावंत साहेब का विशेष सहयोग प्राप्त हो रहा है। वहीं ग्रामीण जनसहयोग से मंदिर को भव्य रूप देने के प्रयास में जुटे हुए हैं। ग्रामीणों के अनुसार इस मंदिर के निर्माण में करीब 60 लाख रुपए की लागत आने का अनुमान है।



हजारों वर्ष पुराना है मंदिर का इतिहास

मंदिर समिति के अनुसार मंदिर का इतिहास हजारों वर्ष पुराना है। मान्यता है कि महादानी राजा मोरध्वज यहां मां चंडिका की पूजा कर आशीर्वाद प्राप्त करते थे। राजा महर के काल में यह वीर लोरिक अहीर की आराध्य देवी के रूप में भी प्रसिद्ध रहा।

एक ही पत्थर में है पंचमूर्ति

मंदिर के पुजारी मोहन

भारती बताते हैं माता की प्रतिमा एक विशाल शिला में निर्मित पंचमूर्ति है। जिसमें भक्त लंगुरे, मां चंडिका, मां अदिशक्ति, मां महामाया और काल भैरव विराजमान हैं, इसलिए इसे पंचमूर्ति चंडिका सिद्धपीठ कहा

जाता है मंदिर से लगा 75 एकड़ का बंधुआ तालाब चर्म रोग, विशेषकर सफेद दाग के निवारण के लिए प्रसिद्ध है। मान्यता है कि सात रविवार तक श्रद्धापूर्वक स्नान कर माता चंडिका का दर्शन करने से चर्म रोग से मुक्ति मिलती है, इसलिए दूर-दूर से श्रद्धालु यहां आते हैं। वहीं कुंवार और चैत्र नवरात्र में यहां सैकड़ों मनोकामना ज्योति प्रज्वलित होती हैं। इस नवरात्र भी ज्योति कलश की तैयारियां जोरों पर हैं।

एनआईटी रायपुर में सफाईमित्रों के स्वास्थ्य और सम्मान पर विशेष पहल

■ पांच दिवसीय कार्यशाला शुरू, स्वास्थ्य जांच और चिकित्सकीय परामर्श पर रहेगा जोर

रायपुर (विश्व परिवार)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), रायपुर के सहयोग क्लब और डिस्पेंसरी द्वारा स्वच्छता ही सेवा (एसएचएस) 2026 अभियान के अंतर्गत सोमवार को 'व्यावसायिक स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं सुखा' : सफाई मित्र सुरक्षा एवं सम्मान' विषय पर पांच दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य संस्थान के स्वच्छता कर्मियों के स्वास्थ्य की निवारक देखभाल, कार्यस्थल पर शारीरिक अनुकूलन (एर्गोनॉमिक्स) तथा उनके सम्मान और गरिमा को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एनआईटी रायपुर के सीडीसी प्रमुख डॉ. समीर बाजपेयी थे। इस अवसर पर हाउसकीपिंग समिति के अध्यक्ष



डॉ. धर्म पाल, प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ के संकाय प्रभारी डॉ. विवेक कुमार गावा तथा स्वच्छता ही सेवा-2026 के नोडल अधिकारी डॉ. तीर्थ प्रसाद साहू उपस्थित रहे। कार्यशाला का समन्वय डॉ. आशीष कुमार दाश, डॉ. मधुकृष्णा प्रियदर्शिनी और डॉ. सौम्या अग्रवाल कर रहे हैं। डॉ. आशीष कुमार दाश ने अतिथियों, संकाय सदस्यों और स्वच्छता कर्मियों का स्वागत किया। डॉ. सौम्या अग्रवाल ने बताया कि कार्यशाला के अंतर्गत स्वास्थ्य जागरूकता सत्रों, चिकित्सकीय परामर्श और विशेष जांच शिविरों के माध्यम से स्वच्छता कर्मियों को लाभान्वित किया जाएगा।

सांसद महेश कश्यप ने संभाले बढ़ाई के औजार रथ निर्माण में किया श्रमदान और कारीगरों को बांटे वस्त्र

जगदलपुर (विश्व परिवार)। अपनी अनूठी परंपराओं और लगभग 75 दिनों तक चलने वाले भव्य आयोजन के लिए देश-दुनिया में विख्यात बस्तर दशहरा पर्व की तैयारियां इन दिनों पूरे उत्साह के साथ जोरों पर हैं। इसी कड़ी में बस्तर दशहरा समिति के अध्यक्ष और बस्तर लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री महेश कश्यप जगदलपुर के ऐतिहासिक सिरहासरा भवन पहुंचे, जहां झारुमरगांव के पारंपरिक ग्रामीण शिल्पकार विशाल रथ के निर्माण कार्य में जुटे हुए हैं। सांसद कश्यप ने वहां पहुंचकर न केवल कारीगरों का हौसला बढ़ाया, बल्कि उन्हें वस्त्र वितरित कर सम्मानित किया, साथ ही खुद भी औजार थामकर रथ निर्माण में हाथ बंटाते हुए श्रमदान किया। एक जनप्रतिनिधि के तौर पर



केवल औपचारिक निरीक्षण करने के बजाय निर्माण कार्य में सीधे भागीदार बनने का उनका यह अंदाज हर किसी का ध्यान खींचने वाला रहा। दरअसल सांसद महेश कश्यप को बड़ईगिरी, मकान निर्माण, मैकेनिक और मूर्तिकला जैसे व्यावहारिक हस्तकौशल का पुराना और गहरा अनुभव है।

उन्होंने अपने स्वयं के घर के निर्माण से लेकर खिड़की, दरवाजे और पलंग तक का काष्ठ कार्य खुद किया है। अपने इसी जमीनी हुनर के चलते वे झारुमरगांव के कारीगरों के बीच पूरी सहजता से घुलमिल गए और उनके साथ लकड़ी तराशने के काम में जुट गए। बस्तर दशहरा की मूल पहचान यहां की जीवंत लोक परंपराओं, सामूहिक सहभागिता और पीढ़ियों से चली आ रही शिल्पकला में निहित है, जिसे झारुमरगांव के कारीगर सदियों से निष्ठापूर्वक आगे बढ़ा रहे हैं। ऐसे में सांसद का कारीगरों के बीच पहुंचकर उनका सम्मान करना और स्वयं पसीना बहाकर श्रमदान करना, बस्तर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोककला और श्रम के प्रति उनके गहरे सम्मान तथा आत्मीय जुड़ाव को दर्शाता है।

जय कारो के साथ निकली भगवान् जिनेंद्र की शोभा यात्रा



■ पिपलानी मंदिर में प्रभु आदिनाथ का अभिषेक

भोपाल (विश्व परिवार)। श्री आदिनाथ जिनालय से भक्ति भाव से निकली भगवान् जिनेंद्र की शोभायात्रा, केसरिया ध्वज थामे श्रद्धालु भजनों की धुन पर प्रभु जिनेंद्र की आराधना कर रहे थे, मंदिर समिति के प्रदीप हथौला राजु गोयल ने बताया समापन पर अभिषेक शांति धारा के साथ पूजा अर्चना हुई, समाज की प्रतिभाओं का सम्मान किया गया, सभी ने एक दूसरे से क्षमा मांगी, संस्कृति

संस्कारों का बढ़ावा देने अहिंसा मेले का आयोजन किया गया, इसमें समाज के सभी वर्गों के सदस्यों ने भागीदारी की, आयोजन पिपलानी मंदिर समिति के द्वारा ऐरा देवी महिला मंडल आदि युवा नव चेतना संघ श्री विद्या सागर मादूनामंडल के सहयोग से किया गया,इस अवसर पर अरविंद पंत समाज सेवी राजेंद्र सेठी दिलीप जैन मंजु हरसोला, अनिता पंत, मनीषा जैन सिम्मो गंगवाल, सुनीता बड़कुल, नेहा जैन, विनीता जटाले आदि मौजूद थे।

दुर्गा पूजा को लेकर बिरगांव निगम अलर्ट, महापौर ने बंजारी मंदिर क्षेत्र का किया निरीक्षण

बिरगांव (विश्व परिवार)। दुर्गा पूजा पर्व को देखते हुए बिरगांव नगर निगम द्वारा शहर में स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के लिए विशेष सफाई अभियान शुरू किया गया है। लोक निर्माण विभाग के प्रभारी इकराम अहमद ने बताया कि इसी क्रम में आज महापौर श्री नंदलाल देवांगन ने स्वास्थ्य विभाग एवं निगम आयुक्त, विभागीय प्रभारी श्री ओमप्रकाश साहू तथा निगम के अधिकारी-कर्मचारियों के साथ बंजारी मंदिर क्षेत्र का निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान महापौर ने संबंधित अधिकारियों को क्षेत्र में नियमित एवं बेहतर सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही दुर्गा पूजा के दौरान



श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या और नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निगम क्षेत्र के विभिन्न बाड़ों में स्थापित दुर्गा पंडालों के आसपास प्रतिदिन विशेष सफाई कराने के निर्देश दिए गए हैं। इकराम अहमद ने बताया कि दुर्गा पूजा के दौरान पंडालों एवं आसपास के क्षेत्रों में कचरा जमा

न हो, इसके लिए निगम की सफाई टीमों को नियमित निगरानी एवं सफाई के लिए जिम्मेदारी सौंपी गई है। आवश्यकता के अनुसार कचरा उठाव एवं अन्य स्वच्छता व्यवस्थाओं को भी प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि दुर्गा पूजा आस्था और श्रद्धा का पर्व है। इस दौरान शहर में आने वाले श्रद्धालुओं और नागरिकों को स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना नगर निगम की प्राथमिक जिम्मेदारी है। निगम प्रशासन द्वारा पर्व के दौरान सफाई व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होने देने तथा नागरिकों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए हैं।

आचार्य श्री विद्यासागर महाराज की साधना आज भी कुण्डलपुर के कण-कण में विद्यमान है : मुनि श्री समतासागर जी

कुण्डलपुर (म.प्र.) (विश्व परिवार)। सम्यक दर्शन जीवन में प्रकाश का संचार करता है, जबकि मिथ्यात्व अंधकार का प्रतीक है। जीवन में सार और असार, हेय और उपादेय का विवेक जागृत हो जाए तो व्यक्ति की सोच, व्यवहार और जीवन की दिशा बदल सकती है। मनुष्य को दूसरों की कमियां खोजने के बजाय उनके गुणों को ग्रहण करना चाहिए। जीवन में अच्छाइयों को अपनाने और बुराइयों को छोड़ने की यही दृष्टि धर्म का वास्तविक स्वरूप है। यह विचार निर्यापक श्रमण मुनि श्री समतासागर जी महाराज ने कुण्डलपुर में धर्मसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। राष्ट्रीय प्रकाश अविनाश जैन विद्या वाणी एवं प्रचारकी जयकुमार जैन 'जलज' ने बताया कि मुनि श्री के



प्रवचन का सार यही रहा कि मनुष्य दूसरों की कमियों के बजाय गुणों को देखे, अच्छाइयों को अपनाए, जरूरतमंदों की सहायता करे और गुरु की शिक्षाओं को आचरण में उतारे।

उन्होंने कहा कि सार को ग्रहण कर असार को छोड़ने की विवेकपूर्ण दृष्टि ही व्यक्ति को सज्जन्ता, आत्मशुद्धि और आत्मकल्याण के मार्ग पर आगे बढ़ाती है। आचार्य श्री के दोहे—सार सार का ग्रहण हो, असार को फटकार, नहीं चालनी तुम बनों, करो सूप सत्कार—की व्याख्या करते हुए कहा कि चालनी और सूप के उदाहरण में जीवन जीने की गहरी सीख छिपी है। चालनी सार को नीचे गिरा देती है और असार को अपने पास रोक लेती है, जबकि सूप अनाज को सुरक्षित रखकर कचरे को बाहर कर देता है। मनुष्य को चालनी के बजाय सूप के समान बनना चाहिए,

ताकि वह दूसरों की अच्छाइयों, श्रेष्ठ विचारों और उपयोगी संस्कारों को ग्रहण करे तथा व्यर्थ की आलोचना, दोष-दर्शन और नकारात्मकता को छोड़ सके। मुनि श्री ने कहा कि यह दृष्टि केवल सामान्य व्यवहार तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि धर्म के क्षेत्र में भी अपनाई जानी चाहिए। सम्यक दृष्टि और मिथ्या दृष्टि वाला व्यक्ति एक ही संसार में, यहां तक कि समान परिस्थितियों में गृहस्थ जीवन जीते हुए भी अलग-अलग लक्ष्य रखता है। सम्यक दृष्टि वाला व्यक्ति आत्मकल्याण और सद्गुणों की प्राप्ति को महत्व देता है, जबकि मिथ्यात्व से प्रभावित व्यक्ति सही और गलत का विवेक खो सकता है। शास्त्रों में मिथ्यात्व से जुड़ी प्रवृत्तियों को हेय अर्थात त्यागने योग्य और सम्यकत्व से

जुड़ी बातों को उपादेय अर्थात ग्रहण करने योग्य बताया गया है। मुनि श्री ने कहा कि क्रोध, मान, माया, लोभ, राग, द्वेष, मोह और अज्ञानता जैसे विकार आत्मा के स्वभाव को ढकते हैं। सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान और सम्यक चारित्र अर्थात रत्नत्रय जीवन को नियंत्रित करने वाले बेंत के समान हैं। जिस प्रकार अश्व को लगाम और हाथी को अंकुश से नियंत्रित किया जाता है, उसी प्रकार रत्नत्रय के माध्यम से मनुष्य अपने विचारों, इच्छाओं और आचरण को सही दिशा दे सकता है। सम्यक दर्शन आत्मकल्याण का मूल आधार है और इसके माध्यम से आत्मा के अनंत ज्ञान, अंतर्गत दर्शन, अनंत सुख तथा अनंत वीर्य जैसे स्वाभाविक गुणों की पूर्ण अभिव्यक्ति का मार्ग प्रशस्त होता है।

राजनांदगांव में 25 को निकलेगी संवैधानिक आरक्षण बचाओ रैली 2.0, बैठक संपन्न

■ अधिकार चर्चा, महारैली एवं रोजगार मार्गदर्शन के जरिए सामाजिक न्याय और आरक्षण के मुद्दों को उठाएगा जेन-जी युवा वर्ग

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। भारतीय संविधान में प्रदत्त सामाजिक न्याय, समान अवसर, प्रतिनिधित्व एवं आरक्षण व्यवस्था की रक्षा तथा संवैधानिक प्रावधानों के प्रभावी क्रियान्वयन की मांग को लेकर 25 सही दिशा दे सकता है। सम्यक दर्शन आत्मकल्याण का मूल आधार है और इसके माध्यम से आत्मा के अनंत ज्ञान, अंतर्गत दर्शन, अनंत सुख तथा अनंत वीर्य जैसे स्वाभाविक गुणों की पूर्ण अभिव्यक्ति का मार्ग प्रशस्त होता है।



माध्यम से विभिन्न सामाजिक और संवैधानिक मुद्दों को उठाया जाएगा। आयोजकों के अनुसार, रैली रविवार को सुबह 11 बजे ईमाम चौक, ओवरब्रिज के नीचे से शुरू होगी। इसका उद्देश्य अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग सहित विभिन्न वर्गों के संवैधानिक अधिकारों, शिक्षा, रोजगार, प्रतिनिधित्व और आजीविका से जुड़े विषयों पर जनजागरूकता बढ़ाना है।

संक्षिप्त समाचार

सात जोड़ियाँ, बेशुमार पंगे!
कलर्स ‘धमाल विद पति पत्नी और पंगा’ के सीज़न 2 के साथ लौट आया है

रिश्तों को एक अनोखे अंदाज़ में पेश कर अपनी खास पहचान बनाने के बाद, COLORS अपने रिलेशनशिप रियलिटी फ्रैंचाइज़ ‘धमाल विद पति पत्नी और पंगा’ ज़ू जोड़ियों का रियलिटी चेक’ के दूसरे और पहले से भी बड़े सीज़न के साथ लौट आया है। परफेक्ट कपल गोल्स से आगे बढ़ते हुए और शादीशुदा जिंदगी की खूबसूरत अव्यवस्था को केंद्र में रखते हुए, यह शो सात सेलिब्रिटी जोड़ियों को एक मंच पर लेकर आता है और मस्ती, नोकझोंक, सरप्राइज़, खुलाशों और बेशक ढेर सारे पंगों के ज़रिए उनके रिश्तों की असली परीक्षा लेता है। इस पंगेबाज़ी की कमान एक बार फिर सोनाली बेंद्रे बहल और मुनव्वर फ़रूकी संभाल रहे हैं, जो होस्ट के रूप में वापसी कर रहे हैं। सोनाली का सहज आकर्षण और मुनव्वर की चुटीली हाविरजवाबी मिनकर शो की नोकझोंक को और भी दिलचस्प बनाए रखते हैं, क्योंकि वे कपल गोल्स से परे जाकर जोड़ियों की पर्सनैलिटी, उनकी खास आदतों और आपसी समीकरणों को सामने लाते हैं।

स्टोरी वीकर्स कलेक्टिव द्वारा निर्मित, निविया बांडी मिल्क और ORN.com सहप्रस्तुत करते हैं ‘धमाल विद पति पत्नी और पंगा –जोड़ियों का रियलिटी चेक’, प्रेग्रेस पार्टनर एन्वी परफ्यूम और कुकिंग पाइनर सिल्वर कॉइन चक्री प्रेश आटा के साथ। इसका प्रीमियर 10 अक्टूबर को होगा और इसके बाद यह हर शनिवार और रविवार रात 9 बजे केवल कलर्स और जियोहॉटस्टार पर प्रसारित होगा। शो के बारे में बात करते हुए, जियोस्टार में हिंदी एवं अंग्रेज़ी एंटरटेनमेंट (स्ट्रीमिंग, टीवी और स्टूडियोज़) के प्रमुख आलोक जैन ने कहा, हम हमेशा से मानते आए हैं कि सबसे व्यापक प्रभाव वही शोज़ छोड़ते हैं, जो भारत की जड़ों से जुड़े होते हैं और ऐसी भावनाओं को दर्शाते हैं जो हर किसी के लिए प्रासंगिक हों।

रोज़मर्रा के मानवीय अनुभवों को ऐसी साझा बातचीत में बदल देने की यह क्षमता ही आज अमस्क्रिप्टेड रियलिटी एंटरटेनमेंट को एक प्रभावशाली सांस्कृतिक ताकत बनाती है। ‘धमाल विद पति पत्नी और पंगा’ इसका एक बेहतरीन उदाहरण है। पहले सीज़न को मिली शानदार प्रतिक्रिया ने ईमानदारी, अपनेपन और भावनात्मक जुड़ाव की ताकत को साबित किया। सीज़न 2 के साथ हम उसी मजबूत नींव को आगे बढ़ा रहे हैं, जिसमें नए समीकरण, नई कहानियाँ और रिश्तों से जुड़ी और भी गहरी परतें देखने को मिलेंगी। जबकि उस प्रामाणिकता को बरकरार रखा गया है जिसने दर्शकों को इस शो से जोड़ा। जैसेजैसे यह फ्रैंचाइज़ अपने अगले अध्याय में प्रवेश कर रही है, हमें खुशी है कि हमारे स्पॉन्सर्स भी इस सफ़र में हमारे साथ जुड़े हैं। उनका निरंतर विश्वास और सहयोग ‘धमाल विद पति पत्नी और पंगा’ को एक बड़े एंटरटेनमेंट प्रॉपर्टी के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जो टेलीविज़न से आगे बढ़कर पूरे डिजिटल इकोसिस्टम में भी चर्चाओं को जन्म दे रहा है। कोई भी दो शादियाँ एक जैसी नहीं होतीं और यही बात शो में शामिल सातों जोड़ियों को इतना दिलचस्प बनाती है। राहुल वैद्य और दिशा परमार की इक्वेशन ऐसी है, जहाँ दिशा हमेशा इस बात को लेकर सतर्क रहती हैं कि राहुल अगली बार कौनसी बेबाक बात कह देंगे और क्या बात में उसे वापस लिया भी जा सकेगा या नहीं! अर्जुन बिजलानी और नेहा स्वामी बिजलानी अपने खास अंदाज़ की पगेबाजी लेकर आते हैं, जहाँ अर्जुन अक्सर पूरी तरह सास मोड में नज़र आते हैं, छोटीछोटी कमियाँ निकालते हैं, गलतियाँ पकड़ते हैं और नेहा को बताते हैं कि काम कैसे किया जाना चाहिए।

नगर पालिका के खिलाफ जिला कांग्रेस का जंगी प्रदर्शन 14 अक्टूबर को

तालाबों की बढहली, सीसी रोड-नाली निर्माण और विकास कार्यों की गुणवत्ता पर उठेंगे सवाल, खर्व राशि की निष्पक्ष जांच की मांग

गरियाबंद (विश्व परिवार)। नगर पालिका क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं की बढहली, ऐतिहासिक तालाबों की दुर्दशा और विकास कार्यों में कथित अनियमितताओं को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी ने मोर्चा खोलने की तैयारी कर ली है। 14 अक्टूबर को नगर पालिका का घेराव कर जंगी प्रदर्शन किया जाएगा। इस दौरान सीसी रोड और नाली निर्माण की गुणवत्ता, तालाबों की सफ़ाई एवं संरक्षण तथा नगर विकास के नाम पर खर्च की गई राशि का हिसाब सार्वजनिक करने की मांग उठाई जाएगी। कांग्रेस के इस आंदोलन से नगर पालिका की कार्यप्रणाली और विकास कार्यों की जवाबदेही को लेकर राजनीतिक सरगमीं तेज होने के आसार हैं।

नगर पालिका क्षेत्र में व्याप्त अव्यवस्थाओं, विकास कार्यों की गुणवत्ता और कथित भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी ने आंदोलन का ऐलान किया है। आगामी 14 अक्टूबर को होने वाले घेराव में कांग्रेस नगर की प्रमुख समस्याओं को उठाते हुए विकास कार्यों की निष्पक्ष जांच और सरकारी राशि के उपयोग का ब्योरा सार्वजनिक करने की मांग करेगी। पार्टी का कहना है कि जिन कार्यों के लिए सरकारी राशि खीकृत कर खर्च की गई है, उनका वास्तविक लाभ नगरवासियों को मिल रहा है या नहीं, इसकी निष्पक्ष समीक्षा होनी चाहिए।

प्राचीन छैन तालाब की बढहली बनी चिंता का विषय- गरियाबंद के नया तालाब और छैन तालाब नगर की पहचान तथा स्थानीय जनजीवन से जुड़े महत्वपूर्ण जलस्रोत

बस्तर दशहरा में इस बार शामिल नहीं होंगे मुंडा बाजा वादक! 6 साल से मानदेय का इंतजार, प्रशासन को लिखित आश्वासन देने की मांग

एक महीने पहले बस्तर महाराजा कमलचंद्र भंजदेव, दशहरा समिति अध्यक्ष एवं सांसद महेश कश्यप, कलेक्टर और तहसीलदार को दिया था आवेदन; कार्रवाई नहीं होने से वादकों में नाराजगी

जगदलपुर (विश्व परिवार)। बस्तर की ऐतिहासिक और पारंपरिक पहचान बस्तर दशहरा में इस बार मुंडा बाजा वादकों की भागीदारी पर संकट खड़ा हो गया है। पिछले छह वर्षों से मानदेय नहीं मिलने का आरोप लगाते हुए 30 मुंडा बाजा वादकों ने इस बार दशहरा में शामिल होने से साफ इनकार कर दिया है। वादकों का कहना है कि बार-बार आश्वासन मिलने के बावजूद उनकी मांग पूरी नहीं हुई है। अब वे प्रशासन से लिखित आश्वासन मिलने पर ही दशहरा में शामिल होने को तैयार हैं।

एक महीने पहले दिया आवेदन, फिर भी कार्रवाई नहीं- मुंडा बाजा वादकों के अनुसार, मानदेय की समस्या से संबंधित आवेदन एक महीने पहले बस्तर महाराजा कमलचंद्र भंजदेव, बस्तर दशहरा समिति के अध्यक्ष एवं बस्तर



सांसद महेश कश्यप, बस्तर कलेक्टर और जगदलपुर तहसीलदार को सौंपकर पूरे मामले से अवगत कराया गया था। इसके बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। वादकों का कहना है कि उन्हें ऐसा कोई भरोसेमंद आश्वासन भी नहीं मिला है, जिसके आधार पर वे अपनी परंपरागत जिम्मेदारी निभाने का निर्णय ले सकें।

छह साल से आश्वासन, लेकिन मानदेय नहीं मिलने का आरोप- वादकों ने बताया कि वर्ष 2019 में तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन

सिंह द्वारा मांझी, मेम्बरिन और मुंडा बाजा वादकों को प्रतिमाह 2,000 रुपये मानदेय देने की घोषणा किए जाने की बात कही गई थी। उनका आरोप है कि छह वर्ष बीत जाने के बाद भी उन्हें इसका लाभ नहीं मिला है। वादकों का कहना है कि अन्य संबंधित वर्गों को मानदेय मिल रहा है, लेकिन मुंडा बाजा वादक इससे वंचित हैं। इस भेदभाव को लेकर उन्होंने दुख जताया है।

लिखित आश्वासन मिलने पर ही दशहरा में शामिल होंगे वादक- मुंडा बाजा वादकों ने

स्पष्ट किया है कि वे बस्तर दशहरा की परंपरा और अपनी जिम्मेदारी को समझते हैं, लेकिन वर्षों से लंबित मांग को लेकर अब केवल मौखिक आश्वासन पर भरोसा नहीं कर सकते। उनका कहना है कि यदि प्रशासन की ओर से लिखित आश्वासन दिया जाता है, तो वे दशहरा में शामिल होने के लिए तैयार हैं। अन्यथा इस बार आयोजन में शामिल नहीं होने का निर्णय कायम रहेगा।

परंपरा से जुड़े वादकों में मायूसी- बस्तर

दशहरा आदिवासी संस्कृति, आस्था और परंपराओं का महत्वपूर्ण प्रतीक है। ऐसे में 30 मुंडा बाजा वादकों का आयोजन में शामिल होने से इनकार करना परंपरा से जुड़े इस विवाद को और महत्वपूर्ण बना रहा है। वादकों ने दुख जताते हुए कहा कि वे वर्षों से अपनी पारंपरिक सेवाएं देते आए हैं, लेकिन मानदेय के मामले में उनकी मांग अब तक पूरी नहीं हुई। उनका कहना है कि प्रशासन की कार्रवाई नहीं होने के कारण उन्हें इस बार दशहरा से दूर रहने जैसा कदम उठाना पड़ रहा है।

मनाने पहुंचे अधिकारी, फिर भी नहीं माने वादक- मुंडा बाजा वादकों को मनाने के लिए एसडीएम और आरआई साहब भी पहुंचे, लेकिन उनकी समझाइश के बावजूद वादक अपने फैसले पर अडिग रहे। उन्होंने स्पष्ट किया कि छह साल से लंबित मानदेय की मांग पर लिखित आश्वासन मिलने के बाद ही वे बस्तर दशहरा में शामिल होंगे।

अब निगाहें जिला प्रशासन, दशहरा समिति और संबंधित जिम्मेदारों पर टिकी हैं कि वे वादकों की मांग पर क्या पहल करते हैं और क्या लिखित आश्वासन देकर उन्हें बस्तर दशहरा में शामिल होने के लिए तैयार कर पाते हैं।

विश्व सिद्ध बस्तर दशहरा सांसद महेश कश्यप ने संभाले बढ़ाई के औजार, रथ निर्माण में किया श्रमदान और कारीगरों को बांटे वस्त्र



जगदलपुर/विश्व परिवार। अपनी अनूठी परंपराओं और लगभग 75 दिनों तक चलने वाले भव्य आयोजन के लिए देश-दुनिया में विख्यात बस्तर दशहरा पर्व की तैयारियां इन दिनों पूरे उत्साह के साथ जोरों पर हैं। इसी कड़ी में बस्तर दशहरा समिति के अध्यक्ष और बस्तर लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री महेश कश्यप

बांटे हुए श्रमदान किया।

एक जनप्रतिनिधि के तौर पर केवल औपचारिक निरीक्षण करने के बजाय निर्माण कार्य में सीधे भागीदार बनने का उनका यह अंदाज हर किसी का ध्यान खींचने वाला रहा। दरअसल सांसद श्री महेश कश्यप को बड़ईगिरी, मकान निर्माण, मैकेनिक और मूर्तिकला जैसे व्यावहारिक हस्तकौशल का पुराना और गहरा अनुभव है। उन्होंने अपने स्वयं के घर के निर्माण से लेकर खिड़की, दरवाजे और पलंग तक का काष्ठ कार्य खुद किया है। अपने इसी जमीनी हुनर के चलते वे झारउमगांव के कारीगरों के बीच पूरी सहजता से घुलमिल गए और उनके साथ लकड़ी तराशने के काम में जुट गए। बस्तर दशहरा की मूल पहचान यहां की जीवंत लोक परंपराओं, सामूहिक सहभागिता और पीढ़ियों से चली आ रही शिल्पकला में निहित है, जिसे झारउमगांव के कारीगर सदियों से निष्ठापूर्वक आगे बढ़ा रहे हैं। ऐसे में सांसद का कारीगरों के बीच पहुंचकर उनका सम्मान करना और स्वयं पसीना बहाकर श्रमदान करना, बस्तर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोककला और श्रम के प्रति उनके गहरे सम्मान तथा आत्मीय जुड़ाव को दर्शाता है।

